संगीतकार शाहदाब ने कहा

संगीत हर रूप में खूबसूरत

फिल्म 'देख भाई देख' के संगीतकार शाहदाब फ्रेश सिंगिंग टैलेंट की खोज में भोपाल आए हैं। उन्होंने अपने फिल्मी कॅरियर सहित तमाम चीजों पर बात की। पेश हैं बातचीत के चुनिंदा अंश...

भोपाल (नप्र)। हाल ही में रिलीज हुई डार्क कॉमेडी जेनर की फिल्म 'देख भाई देख' के संगीतकार शाहदाब भारतीय कहते हैं कि संगीत चाहे शास्त्रीय, सुगम या लोक किसी भी रूप में हो वह हमेशा खूबसूरत ही रहेगा।

शाहदाब अपनी म्यूजिक कंपनी मिसबा रिकॉर्ड के नए एलबम के लिए फ्रेश सिंगिंग टैलेंट्स की खोज में मंगलवार को भोपाल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म व कॅरियर के बारे में नवदुनिया से बात की।

संगीत के लिए तालीम सबसे अहम : शाहदाब कहते हैं मुझे समझ नहीं आता कि संगीत का क्षेत्र, जो किसी साधना की तरह है, में कैसे कोई बिना तालीम के आने की सोच सकता है। पहले ऐसा नहीं होता था, लेकिन आजकल चैनल पर आने वाले सिंगिंग रियालिटी शोज में ऐसी ही बहुत सी प्रतिभाएं देखने को मिलती हैं।

यह बात ठीक है कि किसी-किसी को भगवान अच्छी आवाज देता है, लेकिन अगर उसने उस आवाज को रियाज के कसौटी पर नहीं कसा, तो वह प्रतिभा बेकार है। रियाज से फायदा भी आपका ही होगा। तालीम से गायकों का बेस मजबूत होता है और इससे कोई भी गायक लंबी रेस का घोड़ा बनता है।

'इंडिया बीट बाजार' का कॉन्स में नामांकित होना सबसे खुशी का पल : मेरा एलबम 'इंडिया बीट बाजार' कॉन्स म्यूजिक फेस्टिवल में नामांकित हुआ था। यह मेरे लिए सबसे खुशी का पल था। इस एलबम में मैंने शास्त्रीय संगीत को अनोखे अंदाज में पेश किया था। दोहा, सूफी चौपाइयाँ आदि को शास्त्रीय संगीत में पेश किया गया था। इसकी सफलता के कारण ही इसका दूसरा एलबम भी बाजार में उतारा गया।

कई फिल्में व एलबम आने वाले हैं : मैंने फिलहाल अपने नए एलबम 'बंदगी' का प्रोडक्शन पूरा किया है। बतौर संगीतकार मेरी आने वाली फिल्में हैं 'रामू वेड्स राधा', 'चांद सितारों से आगे', 'ऑल इज वेल'।

शाहदाब का प्रोफाइल : अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'डिस्टेंस मिराज' और 'लाइफ इन मुंबई' में संगीत दिया। 1998 में सुर श्रृंगार शमशाद, मुंबई द्वारा 'तालमणी' का खिताब दिया गया।